Regarding forest fire

डॉ. मन्ना लाल रावत **(**उदयपुर**) :** धन्यवाद, सभापति महोदय । मेवाड़ क्षेत्र में जो अरावली पर्वत है, वह बहुत ज्यादा फैला हुआ है । वहां से बहुत सारी नदियां निकलती हैं और वे बंगाल की खाड़ी और अरब सागर तक जाती हैं । वहां अभी एक बहुत बड़ी घटना हो रही है । जगह-जगह, जो अभयारण्य क्षेत्र हैं, चाहे वह फुलवारी की नाल हो, सज्जनगढ़ हो, जयसमल हो, केवड़े की नाल हो या सीता माता हो, उन अभयारण्यों में आग लगी हुई है । आग की वजह से पूरा जंगल भस्म हो रहा है । आस-पास की बस्तियों में आग पहुंच रही है । उस पर कंट्रोल करने के लिए कोई सिस्टमेटिक व्यवस्था नहीं है । मुझे लगता है कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय राष्ट्रीय अनुकूल योजना बना रही है ।

माननीय सभापति **:** आपकी मांग क्या है?

डॉ. मन्ना लाल रावत **:** महोदय, मेरे तीन बिन्दु हैं । इन तीनों बिन्दुओं को इसमें शामिल करना चाहिए। पहला यह है कि जो लोकल कम्युनिटी है, वहां जो घास है, उसको काटकर बाहर ले जाने की अनुमति देनी चाहिए । दूसरा, वहां एनिकट बनाकर पानी की व्यवस्था होनी चाहिए । उसके साथ बिजली और मोटर की व्यवस्था हो, ताकि जब भी इस तरह की चीजें हों, आगजनी हो, तो उसको रोका जा सके । तीसरा, वहां जगह-जगह मनरेगा के द्वारा रास्ते बनाए जाएं । उन रास्तों पर जो घास और पत्तियां हैं, उनको हटाया जाए । ? (व्यवधान)